

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

CC-0 In Public Domain. Digitized by eGangotri

सुखमस्तु सुखं पराशरानामस्तु +

ਠਕਾ
ਮ:

१: भवः ॥ ~ ॥ तिस्रमुसीठगवडीठवनीरुभ
 भद्रभुवरा ॥ सु॥ श्रीठगवडीठवनीरुभः ॥
 सुहृमजि ॥ ठगवडीठवनीरुवडा ॥ मरुभु
 रुः ॥ श्रीठगवडीठवनीरुभभद्रभुवरा ॥
 वदितियोगः ॥ ~ ॥ तिस्रं ॥ तिस्रं दुमेतिभ
 भलभभगठिवदुभने एधमभलिगुकप
 लरुभु ॥ उरुभगगमरुठग ॥ तिस्रं हृय
 सुवष्टवरीडं भद्रवेदलनी ॥ ~ ॥ तिस्रं सु
 उरुभ ॥ ~ ॥ तिस्रं विदु ॥ एगवडा भद्रत
 श्रीमिवधिया ॥ विदुभय सुठमडा भिदु
 भिदुभभुडी ॥ मभकठिपुठ ॥ उरुभचडीभ
 चभद्रल ॥ दिदुल सुठिकमडा पद्रतवरीद
 रिधिया ॥ रिधान रिनेरुभ ॥ सुठभुवरीड
 यलविदुभद्रभय ॥ वरुभडा सुठयडिः ॥
 श्रीडिधिया ॥ भिदुभभद्रनीवेदुवमिनी ॥ भि
 रुविदुभद्रमजिः ॥ प ॥ सुठगमवेड ॥ पद्र
 डधिया ॥ कडा कभिनी पद्रलेम ॥ पद्रदिनी
 भद्रभडा ॥ मुनमुनडिरमिनी ॥ इतभापीभद्र

तिस्रं
 उरुभ
 सुठ
 भिदु
 पद्र
 इतभापीभद्र

इमं हि विज्ञातमिदं भिन्नं ॥ नृनभक्तुं विदुः भ
 द्भुतिः भगवन् भिन्नं ॥ अपरुमभुगैभयभदि
 भदुदभिन्नं ॥ उत्तवगीसुगीनिहं निहृक्किरुभ
 र्गनी ॥ कभेसुगीमनीलमदुभदुवदिभेभिनी
 लभेमेगीभदकलीविहृविहृसुगीउषा ॥ नरेसु
 गीमभदुमभचभठपुवचिनी ॥ भदुदभेन
 भिन्नीवेहदेमभदेरुगी ॥ कडुयनीमभम
 भचभयडिकरिनी ॥ नरयलीभदुदिकुयोग
 निहृपूठवडी ॥ पूरुपगभिडपूरुडरभसभडी
 भसः ॥ सीरुवधुपदुगकलिकभिदवद
 न ॥ ठिकगवधुपकगमेडनकेपननडिः ॥
 मठविहृपगपगविहृभडकलावडी ॥ पम्वडी
 भवभुमपूचदुमभभुडी ॥ नृदुभनरागदु
 डीउहृभडिनिहृसुगी ॥ निहृभडिनिहृम
 मरुदभेभददव ॥ गहलकीचधदुगभुप
 कगभुपदिक ॥ गहलीडिभुयीवडमदुगीडिः
 न्रियवडी ॥ भदुडिभुगीनीमूदुभदुडिः भदु
 गयलीः ॥ भिन्नुभदुकिनीगदुयभनमभभुडी ॥

ठव
 म
 ३

नेणवगीविधममकवेगीममडहिम॥ भगवुमुकु
 ठगमकेमिकीगकीमुमिः॥ वरुमकम॥ उम
 ममम॥ उषमेविकः॥ वरुवडीविउभमवामन
 गवदर॥ भगीपठिउडभसीभमकः॥ उषवभिनी॥
 एकमकभदभकीभमुलिगभतिनी॥ भतमु
 लिः॥ पडकमभवुदयुमकाहि॥ पडकिनीम
 यगभविपमोपेभभिय॥ पगभकलकउ
 हिमजिमेकभयिनी॥ ऐकीभदेमुगीवडीकेभ
 गीकतवभिनी॥ उमुठगवडीमजिकभपवदय
 वडी॥ वरुयुणवइदभुमुलीमभपगभ॥
 गगीभुवल्चलमभुजिः॥ भंकरकरि॥ एक
 वरुभदेष्टममउवहंमदकुए॥ उरुमकुध॥
 कुध॥ पडुउभमभिनी॥ पडुउठिनीमुभ॥
 कय॥ कयवलिउ॥ भुभिउभभापीकभ
 भत॥ पडिगीमुगी॥ मरुमवद्वलम॥ पडपउपु
 वडिनी॥ गगगीलभिउमुभ॥ लः॥ पीरुमकगुः॥
 कण॥ लरुगवहु॥ उरुमीकन॥ लय॥ कलक
 भुभदुमरिभधकलउधि॥ भवल्गभनभ॥

मकभमवडीरभ॥ गवृप्रियधुगनुमकदुग्भेभण
 रि॥॥ धरुयेनिभकेमीमधुलिङ्गठगडुपि॥
 येतेभरुभरुभरुयेमीपगगभिनी॥ भवमीभण
 वन्नीभरुभरुभरुयेडुड॥ भउनीसुकनभमपधर
 लकमपि॥॥ गकुधुगपगकेवगकुपधवडंभि
 नी॥ सुधुधुगपगगीभरुयेडवधुप्रिय॥ सुवृलि
 धरुदभमभरुदगविडुध॥॥ कदुग्भेभेभेभे
 भ॥ धरुिनीधरुभरुिग॥॥ यद्विनीमरुदभमभुम
 धुपधिभयुग॥॥ मधिनीधमदभमभिकुलव
 गधरि॥॥ सुग॥॥ मज्जिदभमभयुगवगवद
 वगधुगपगवीगवीगधनभरुके॥॥ वधुगवधुग
 गम॥॥ यमकधुगीमिव॥॥ वि॥॥ यमययतीमधु
 धिनीमरुदभिनी॥ सुवृडीवगमज्जिदभमभयुग
 रि॥॥ मीउलमधुमालमरुलपुदविभमिनी
 उभगीमधुधनमकभगएकभवविड॥॥ एलदुग्
 पगनडकभडुधनिवभिनी॥ कभरीवडीभट
 भटपदधय॥॥ सुलभनज्जिउभकभकभ
 धिधुगेपिनी॥ धके॥॥ मरुिके॥॥ मरुिडिभधुगगी

ठव.
 म.
 ५

वदिनी॥ समिभूवमडलऊककिनीमडनीविनी॥
 वनउपकनूपलपउपगगिग॥ भुवगगगुम
 जवीउडेकडठलपुम॥ विधयगुउडेकग॥ निचि
 ममशिउडिय॥ विमुउपमिमरगपगुगुपुवे
 गिनी॥ निचिकगमनिचैगविगतिःमडवतिनी॥
 पममगुनठिगमगडिकेवटगयिनी॥ विविउम
 विनीपुडेलनयडीवकचुतिः॥ निगीनममभुके
 मपुतेकेकमविड॥ मवमवभियामहमवठल
 विवतिनी॥ पुडलमपवदधिपकुगगगगतिः॥
 ममुपुडिमुवन्नममडिमवडुवम॥ ॥ वीगु
 चीगभडमवीगभुचीगगिनी॥ लयमीलयमी
 कगलयमलयवतिनी॥ भिठपुवठगकग
 भचभेठपुवतिनी॥ कभडुगीमिडिउपभकी
 डिपविमड॥ भचडीजमयीपडिभचडेवमयी
 पुठ॥ भचमिडिपुममडिभचभदतभदलः॥
 ०...॥ ॥ ॥ ॥ मउउडिमुयडेवी॥ ॥ मग
 गडमीनउ॥ ॥ ॥ भचगगभमभन॥ ॥ भचभ
 दतभदलीमिडभचभभकी॥ मिगटडिभुकि

CC-0 In Public Domain. Digitized by eGangotri

विभीगलमायनमः विनीतगुह्यपि
 उन्मुपिपिल्लिकलेकरीउदेमिदिगुह
 दिहृभा वलदिहृमेलिभभानदुति
 पाङ्गगेगीभभुभभुनदकीभदभीने ०
 मुसपामज्जमविनमंविहणनपामफे
 एनपामपुमपामभा गंमीमीमचल
 दाउउमभुंगेगीभभुभभुनद १
 ५हदाएनभभपिपुतिहंनिहंसिउ
 निचडिकभकनयतीभा पुहृनन
 नभयींजभुपुंगेगीभभुभभु ३
 मकुपीकुनचिउमभुपिउवकुंमकुपी
 दालपुउलेललकठं ७कैमकुह
 मिउपामपुपुमपुंगेगीभभुभभु ४
 ननकैःसाकिकरपुहुवमानिहृपु
 मंभुपिपुभुयमस कननीउंक
 लननभभनडिकं गेगीभभुभभु ५

भुल पाप मृत्ति उवर्ती विणित्रं भोगं
 नृप भविदय हलि उ ग्रीभा ऐय सुक
 अकृत ने उं मिडि उ पं गे गी मधु मधु
 मुयि कतु म क म प्र डि वि ल भ उं कु उ कु
 कृत क र ध र म वि री भा म वृ उ न न
 भयं उं सु क उ पं गे गी मधु मधु
 य मृः उ के ली न भा प दं ग म दं कु ये
 कु यः म मृ क र क उ भ व क र म रं उं
 मृ क र इ वि द रं गे गी मधु मधु
 य मृ म उ उ उ भ म पं म लि भ न भ उ य ह
 कु पि प रं क मृ गं ग उ म ए उ उ न प र ह
 ग म नी यं गे गी मधु मधु क द की
 नि रः भ रि नि क ल पं के ग री मः भ की
 य मृः भ न वि ठे मं द रं ग वि मृ उ म की
 क न मी लं मि व भं री गे गी मधु मधु
 मृ उः क ले ह व वि मृ हः म लि प न क ह

म. ३

यजेत्स्वतिगोमीममकयः वमेभिदि
 मभ्यमभ्युमिवठजिः उभुवसुं पचउभु
 हीविमणति ०० ७ डिनुगीगीमुइभा ॥

विनमेठवत्रै विनउतेनभउनवसुउ
 इउनभरेनभरेनठजेनठजिः नभय
 नविउंनइहंभमेवगतिभुंगतिभुंगतिभुं
 ठवनी ० ठवहुगपलेभदरुः।पठी
 नः५पत्रः५कभी५भउ५के।पि कभय
 कभनंकवुकिः भयदंगतिभुंगतिभुंग
 तिभुंठवनी १ नरन।मिदुनेनभहु।वि
 एनेनरन।मिभुइंनवभइयइं नरन

मित्ररूपरत्नमियेगं गतिभुंगतिभुंग
 तिभुंगतिभुंगवानी ३ नरत्नमिभुंग
 नरत्नमिठकिः नयंवक्तुमेउत्ररत्न
 मिभुकिः सुवभस्मिभुः भयभुगल्ये
 ३: गतिभुंगतिभुंगतिभुंगवानी ४
 ऊकमऊभल्लीऊवहिः भयदंकल
 गगदीनः भयगगलीनः दुरगगवि
 धः पाडेदकउ गतिभुंगतिभुंगतिभुंग
 वानी ५ विवयेविधये प्रभये प्रभय
 एलेमवलेपवउमइभये मगष्टमगष्ट
 भयभं प्रपादि गतिभुंगतिभुंगतिभुंग
 वानी ६ मयवेयदिदिएगगेगयके
 भयदेउकल्यः भयरुवक्तुः विपति
 शविधः भयभं प्रपादि गतिभुंगतिभुंग
 गतिभुंगवानी ७ एनके विवलाक
 ठमभक्तुं प्रीधनवष्टम प्रमेठ

ठमे

ठिगभाभा मदापद्मकिङ्कभष्टयिग
 १॥ ठिकेलेलभन्तीठ्ठमीठवनीभा ३
 क॥ ठिकेलेलीत्रभोठ्ठभिरुंभ्रवान्ठन
 कपयगगविश्रभा म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥
 भवभन्तुंभदयदुदंभ्रजिदंठगयमि ७
 ठवनीठवनीठवनीठिवलीभ्रदंभ्रद
 भवयये१॥ पति नमेकंनपपेनदःपेन
 कीतिःऊउञ्जिदुषाञ्जिउकयमि॥ नान
 भा ०॥ भउठवनीमपिउठवनीवदुठ
 वनीमभापठवनी ५॥ ठवनीभ्रउठ
 वनीयउयेयेयमिउठवनी ०० ५०ति
 यमिभनष्टःमेकमेकंभमभंभठवतिभ्र
 ६॥ वलठःभवलेके ठनयवतिभ्रभ्रभ्र
 नीयभ्र५॥ भकलठयविभ्रभ्रभ्रभ्रभ्र
 कमिदिः ०७ ७तिमीठवनीकु१॥ भ्रंभ
 भ्रुलभा ॥

विमीनलमप्यनमः विमृष्टमीमिवकव
 यभेउभत्रुष्टु एधकयेमीशुगविः मत्रुष्टु
 नः श्रीभयमिवेमेवउ हंतीहं ह्रीनक्तिः
 हंकीनकं भाभुवभयमिवशीरुहंमिव
 कवयभे विनियोगः विनमेठगवउवि
 भदगेदयलललललललभानिनीवि
 ह्रीमीह्रीमृष्टुहंनमः विनमेठगवउ
 नभदगेदयलललललललभानिनेवि
 ह्रीमीह्रीउज्जनीहंनमः विनमेठगवउभं
 भदगेदयलललललललभानिनेविह्री
 मृष्टुहंनमः विनमेठगवउमिभ
 दगेदयलललललललभानिनेविह्रीमी
 ह्रीमृष्टुहंनमः विनमेठगवउवंभ
 दगेदयलललललललभानिनेविह्रीमी
 ह्रीकनिधुहंनमः विनमेठगवउयंभद
 येदयलललललललभानिनेविह्रीमी

मि क.

ॐ ति व मं लं म भा॥

जिह्वा रु ग ह मः त्रिग
रैवभक्तिमन्त्रेणरूपकिन्त्रि
धनमिनी इलिहवाचिनीग
रुकरिगन्त्रमिभुत् ० दग्दी
यंमदधधंनरुसुरसुरदि
उभा भद्रयिद्रुदिउगन्त्रुदी
गन्त्रुमिभुत् १ सुभिलिभन
पञ्चैवभाष्टिभनतिभुष
भूठवर्णनिनीमैव करिगन्त्रु
नमिभुत् २ रण्वीरणलभ
पुत्रयैवभाष्टिद्रुत्माने गत्रु
वाभगदिभुक्तुसे करिगन्त्रु
मिभुत् ३ त्रिभुगरिणरुभुष्ट
निलनिलपकरिल सुकम

गिन भा मुडै तिथि पण्डितुं
 भभिउं दिनेहं सुलभा भाले
 कभले पाय कुभा करैः मउठिः
 भउं वलंती भा मुडी भिहिक

CC-0 In Public Domain. Digitized by eGangotri

गीतमभि ० तिमिउवठल
 दूरीभरभुतिमभमुवस्त्रय
 पगी कभलरुभभभवरले
 भगदुपवलेनभमुहभा
 पत्रःभापवलेके भापव ५
 सुःभवगुनः यष्टभायक
 भलकेमेवस्त्रय जलमेव
 उवमभि ३ कभुंविनवि
 वकीविवेकविकलष्टनिष्
 लंरुम् उम्भुगडिडुविरं
 इभवलेडभिलिकेथि ५
 लकीवनधिप्रुयः सुरःभ
 ठगेथिकभभउयः कथडव
 विवठभरुयं पूडिठडभले
 दूयगदिउः ५ भनिभरु
 भनरीये भउमुत्तिथिभनेवे

३

मन्त्रः निःसंयमः भूवज्रद्वय
 इष्टान्तिष्ठति १ कुवलय
 रुमः कुवचैः सानिविल
 भति कुमठगन्धः यवम्
 भित्तुनयने नद्वन्द्वभूमि
 कुविठविनभा १ सिद्धन
 रेदिगण कुमलपुरुषणव
 हृषणवल्भानिउभा य
 मयैतिउकुमं उवमरलनूतः
 कलंउभु उ सुवालिउधिक
 भूतिदण्डमवभष्टतिनं
 मीः नद्वंभभुवोधिउभद्व
 केनेतिनेठवजिभा १ मभु
 भूलंउवालीकृत्वायभेति
 भेतिरेलैव मवदिउठभिः
 भूमाः कविगणैः यउभन

मं.
 उं.
 न

ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ सुठं ॥

विंसी स' गिक ठगवट्टे विंसी श्लोः
 मधुसिद्धल तति रमेय मधुम
 पुद्गतिः मधुसिद्धल तति रमेय मधुम
 मगय मधुलेक तिरुडा कसदी
 मधुमेम मधुन गगी मधुम प्रपीठे
 म्मिड रेवी मधुक मंयुड ठगव
 डी म्मी स' गिक प' तुनः १० य ठग
 वति विन्नुग मिनि कैल भवा
 मिनि म्म स' नवा मिनि रुद्रा गिल्लि
 कलयल्लि कट्टायल्लि दिमनि
 रिडनये ऊमा म' म' तः मे विन्नु ठगि
 नि मिडिक क' क' ठगल्ले म्म
 म' म' म' कुल्ले कुल्ले गवल य म' म'

उ केयुगदगठाले लय पड्ड
 रिक्तल यरु भूरा कभरु पारु
 यवक ससिकल मारुय वगद
 ठय पाम पुशुक पड्डग गद
 भुचल उभा दसे तथापि शु
 उविविण्यो यष्टिके मद्रुय
 ले किण्डवेसे वृजलि रुद्रलि
 नगयलि वृजगारि दिष्टुपे
 विष्टेवेयमभुः भविदि गयहि
 भगवति भवणो भवेष्टु वि
 वेष्टु विष्टुकु मभगिति वि
 सुभुमायि मिष्टायि मिष्टुभलि
 भुष्टुपे कैवलै कैवलभुष्टुपमिव

म.भु

मिवधुपे निगस्ये निरुपाणि
 यि बुद्धविष्णुमदसुगमभिउ मे
 दानि उधलि ठयङ्गनामिनि
 दिउभिउधमधने कले कलायि
 सिपि कलगरे मुलेनिहृभिंद
 गेयेगसुगमभिउ ठरुङ्गनवड
 ले भापयियकगिलि मुने मुज्ज
 ये दिगले ऊरुमेदय उडिउ
 किनीमउइयमभदधूंभंदित
 यं धृष्टभामिपगवउगेसीमणि
 कठगवती भेरुंभमाधुमा ॥

डिमीसहयन्त्रभुनधुदधुद
 भुनगेदुदावलयद्विउकभुन
 भा सिमुकुभभदभुमीसिदी
 उमीसगिकंइनयनंहयभदभु
 प्रदुधसिपगभीनंभदुयनेधमेकिभा
 पीठुगीसिलउपंसगिकंप्रभभु
 दभा भपुवीभभभुगंमेवेधकभ
 भंयुभा प्रदुधसिपगभीनंसगिकं
 प्रभभुदभा डिभुदकेरिप्रंमेवी
 प्रदभेभगिलेयनभा भुदग्निमेवैच
 कंउंसगिकंप्रभभुदभा ० सुनप्रं
 सुनगठंसुनवद्विविनिस्त्रिभा सुन
 नवभयीमेवीसगिकंप्रभभुदभा

म. म.

मल्लनभ्रैणिवरुवनलउपंभुसेवके पर
बुद्धववेणउंमारिकं५॥भाभृदभा ३
उउजियुजिगभृउंउजिभाजि५रयिनीभा
ठजिलहंभरुजैमुमारिकं५॥भाभृदभा
रिगल्लननीरुनं५नउपहुगीमिवभा
विकरउपंयेगीमीमारिकं५॥भाभृदभा
५ उउजिभ्रिउिनमेधुबुद्धविल्लदगदि
कभा ५गउंदेउउउंमारिकं५॥भा
भृदभा ७ रिपुअुकगंइकंयेवीरिपु
भुवगीभा रिपु॥रिपु॥उीउंमारिकं५
॥भाभृदभा १ भुलीलानउिउमेधविमुं
करु५भागरभा मयिबुद्धपंविमुसंम
रिकं५॥भाभृदभा ३ सुमिरेकभनः५उ
दःपरेकुरिकभुकभा निहंरुभतिःठे
कुजिंभुजिंमविउति ७ उउिमीमारिक
भुकंभभापुभा ॥

छिनभे मय प्रलठव त्रै नमः छिभङ्गा कल
 दगिमयन पारिण्यमष्टे मसाङ्गुभलिमभु
 पवेदिभंभु मचेरुभे निभुललाटधरुच
 नेरुठिकं प्रेदिगिरिले कृण्डियमहभा
 ० नीलवयं भित्तवयं विटगदिवेयः भु
 धुदिकङ्गमन ठवरीयमेधुः इउएभ
 एगमिमं प्रतिठतिनिट्टिकं प्रेदिगिरि
 ले कृण्डियमहभा १ केयुरदभलि
 कङ्कल कलप्रोकाङ्गी कलपभलि काङ्गु
 नभङ्गुले मयुवपइवकाङ्गुनरवि
 दनेठिकं प्रेदिगिरिले कृण्डियमहभा
 २ मञ्जीकदधुपरिभेविउपाङ्गुनेमङ्गु
 मयेभुजलिडाङ्गुलयः प्रभुडा मविदरी
 यमाले मालं प्रयातः ठिकं प्रेदिगिरिले
 कृण्डियमहभा ३ वरुमयवधिनगर
 केमिकइवभभुधकलसेठवकसुध

मभु

भुं ठङ्गभुवतिनिगभगभप्रभुभैः ठिकं
 प्रेदिगिरिलेकुण्डयभहभा ५ मधु
 हरीयगल्लभुल्लभेवययेवृज्जययेधि
 विपुलंमियममयाति अम्भरदंउवनति
 म्दिपराविद्धेठिकं प्रेदिगिरिलेकुण्ड
 यभहभा ७ मरुज्जिकल्पलतिकेकुयने
 कवट्टेकुउमहकुभलभप्रकुमगहूरे
 करुणपुल्लनयनेकिभपेकमेमं ठिकं ५
 प्रेदिगिरिलेकुण्डयभहभा १ मरुउ
 येभकलकुभगमेवृभनेभुदभणमिपिउ
 रेवगल्लतिदति रयभउपरिल्लनउव
 येत्रकभंठिकं प्रेदिगिरिलेकुण्डयभ
 हभा ३ मरुज्जिकेसमिकलठगल्लय
 देविस्सिहभुल्लनिकेउननिहवमि रुगि
 हूरुःपठयदगिलि कट्टयट्टठिकं प्रेदि
 गिरिलेकुण्डयभहभा ७ एकभुप्र

लनिलयभृमदेवभृशले सुविश्रुतं ३४३
 ५० नयमीश्वरा कभकिाकउ५० गइयभ
 ३५० ल्लेठिकं ५० दिगिगि५० कणितयभहभा
 ०० ठहभुवत्रिगिगिरयमकं ५० ठउ५०
 किनेवह ५० नत्रभभद्विकमः श्रीभदेस
 वनितागिरिग ५० कनु५० धं ५० टिभउगंभ
 नमेमितानि ०० ५० डिमीमदभमंभसह
 गगादतभत्रपल्लयमकंभभापुभा ॥

॥

विनेमेविउभुठगवरे विमकउइभु५०
 काभयसकलमाविउभा भीरपम्वखं
 रेवीविउभुंसा ५० सिये नभसुदिभवकुटे
 नभसुभमेविउ ५० ५० येवो ५० यनभसुमि
 वूमेविउ येहेदियेहेठीउमिउपिहम्व
 नयत्र निहयुपापः कतिनःभतुःभुनहि
 उेनः मृमुभमप्रिनययुयषादेभठवेकु

विभु

मिः उषदृक्चनभ्रनपनभ्रजैः ठवेजुमिः
 पपनं पवनजयपडिउमिप्रियनप
 भादपवयपपनिभकुयभुं प्रभमृनः ॐ
 उिभददिकमृपेकुंविउभुमेइंभभापुभा

॥

डिमीमगिकयमृठयकृदैनभः डिभल
 भुजसपभयगमकणंभादभुनइंमिवं
 भुगवपधुगंसमिभापीइंलेकृकाप
 गभा मेहिःभनगं दृजभुननिठंवृकदि
 देवैःभुउंउदकींनभउगंहदिठलेकम
 उउपंपगभा मृमृमीउदकीभुइंभउभु
 पगवृविः मृमृभुः उदकीवउ
 लकीवीं कुवनेभुगीमडिः भादभुगीकी
 लकं गयरी भविरी भाभुगीकवमे भक
 लकभनमिदृऊं भवठयठदनिवागंऊं
 पा०विनियोगः डिठनभृवदडीउदुः

विद्युत् उच्छ्रयमदतिनेमठयद्गुणि मय
 वाङ्मयि उवउनरुतिभिः विद्विधेविभृते
 दिशि विउच्छ्रकीनभस्येवीयेवतेः मय
 रहुत् गेगीसकभुगीये विरुजनाभेति
 विमूत् कट्टयनीमदयेविमय ५५५५
 दउप भाविहीसयगायहीवृक्ष ॥ वृक्ष
 वादिनी नगय ॥ वृक्षकलीमय ॥ वृक्ष
 पिङ्गल मयिङ्गलगेभुभायीकलगदि
 भुपाक्षिनी मेयसुभमदभुकीविस्मय
 यालेदगी भदेदगीभुक्षकेसपेगउपम
 दवल मयिङ्गलदिङ्गलनङ्गेगदहीसि
 वरिय मिवपुतीकगलीमय ५५५५
 मुगी उच्छ्र ॥ उच्छ्रपमय ॥ उच्छ्रसाङ्गिभगय
 ॥ वरदीनगसिंदीमभदठैगवनदिनी
 सुतिभुतिपुतिमेठ विरुलङ्गीभगभुती
 मनत्रावि ॥ यपलभानभुकापगलिङ्ग

५.५

ठवानी पाचडी देवी दैभवट्टा श्रिकसिव
 सिवठवानी नदुली मङ्गल चमरी गिणी
 ऐः मभपदेः दिष्टैभुत मङ्गली मभत सु
 युग्गेष्टैभुत मभपमभदिका कमा क
 यपमभगङ्गु मभदितापङ्गु विनामना
 मभभवतु येष्टुभुत पापवचनता सु
 वतुयेष्टुदमे लठउवाष्टुतुलभा
 मभभवमभवेति मभवेवमभसयः लङ्ग
 मेकंष्टुपष्टुमभकङ्गु वीमभमभुति इकले
 पठउनिष्टुपठउमभमभदः मभगष्टुपठ
 विष्टुमभुतष्टुपठवचनता उष्टुमभुतमभुत
 ष्टुपठुलवचनभा विनामयतिग
 मभमभदङ्गयय मभुलठउमभुत
 विपलठनभा उष्टुकमभुतकमभुत
 पठमभकयभा उष्टुकविउमभुतमभुत
 नमभसयः उष्टुमी उष्टुकविउमभुतमभुत

यमयामपुकेल्लभविनीयमदिषेदुनि
नीयाप्रमुकल्लभभभभनयगकुती
एभिनी मक्तिः भुभुत्रिभुभुदेष्टानिवीय
मिहुनक्कीपरभावेवीनवकेट्टिमिदि
उभं पत्तुमादेसुरि ॥ सुभाकमेष्टि.

तिस्रींभदगः सुदेहैः नमः तिस्रः ॥ देविश्व
 कृमिगः श्रीकवगभुभमा इलेकविश्वं यं
 भदिहं ठेगापवनरमा भुलभत्रभयं भाष्टम
 धुसिद्धिप्रयकमा भवेच्चदशलेकेभ
 वगभविनिश्चिउभा ५० नद्वगः ॥ देवि
 भदपउकनसनभा भदयपशमभनं
 भुलविहभनेदगभा विउपकः सिवेयं
 विविहः नगयलेवली बुद्धपिउभदेले
 केहिल्लः गीचः ॥ नयकः भदेनिष्ठिभु
 वाभुदभुगकपिपतिः समी गङ्गाकगम

八、

CC-0 In Public Domain. Digitized by eGangotri

भुंकेभागीपुत्ररुहंलुवतुयधिक
 भुदगुल्लेयवगदीधिपटेनगभिंदि
 क विभ्रगिउंययडुनंयडुनंनभवज्जिउ
 भा उडुचंपाउमेगल्लीभुलविहृमयीपर
 वभुकिःप्रवःपाउनीलनगेनलेवउग
 उककेयकिंलपाउनेरउपमनयकः क
 केकपमिमेवकुथैहंलपलभुवयवे
 ऊनिकमेउपउमेधंमत्रमभुले वृक्षी
 वृक्षीभुउउहृदिनयेवैलवीमम नडु
 लीपाउभहृमेभायेपाउपरलिउ निमये
 पाउकेभागीनिमीवेयधिकवउ निमउ
 पाउवगदीभवयनगभिंदिक मुमि
 उडुःकिउःपाउपयमेरुनठैवः यडेभं
 पवनयउउरेमःपाउभानलाउ उडुउः
 मेभउःपाउठीधलःभुदेउवउ यलकल्लक
 पलेमेवृभःभंदगकेवउ भमभभउउःपा

ग.क

उवधः कभय नंभम शुवः पत्रभचरंदि
 गीमः पत्रभचरः व्यउरये पत्रनिहंरग
 दंभयवउ मीयकं पत्रनीतिहः येगितः
 पत्रभचरः ऊचंमः पत्रभचरः पत्रभचरः
 गः मिवः भचरभचरभचरपत्रभचर
 उ पत्रभचरपत्रभचरपत्रभचर
 मिवः पत्रभचरपत्रभचरपत्रभचर
 उचउचकभयगः भचरगः यवदभा
 इलेकविशं यनभयगिठयनमनभा
 भचरगदंभकदि विरं पत्रभचर
 भदठयदंभविभलविहगदभकभा
 पत्रभचरपत्रभचरपत्रभचर
 यः पत्रभचरपत्रभचरपत्रभचर
 भचरभचरपत्रभचरपत्रभचर
 नचकभयभचरभचरभचर
 नंलठभचरः मभनभचरभचरभचर

यः पञ्चशैवकीर्णलप्रय उयं कवय
 भीमनिभलविहृमयंपभा भग्नुतयं
 लक्ष्मीपुत्रपेशविवचनभा मयुक्कंप्रसि
 कांसीकांययमभृभा कवयंभृगुंउ
 गेपनीयंभृयेनिवडा ॥ उतिमीगल्लीक
 वयंभगापुभा ॥

तिमिगुयः तिमिमेरुवैभदमेरुसिवाये
 भउंनमः नमः प्रतुहैरुयैनियतः प्रतुः
 भउभा ० नेरुयैनमेनिहृयैगेदेण्डेन
 भेनमः हेरुयैयेरुउपिहैभापयेभउं
 नमः कलुहैप्रतुंलहैसिहैरुमे
 नमः नेरुहैरुउंलहैमवहैउंनमेनमः
 ० रुनयेरुनपगयेभगयेभचकरिमी
 एहैउवैवतलयेप्रभृयैभउंनमः ॥
 मुतिभेभृतिगेरुयैनउभृयेनमेनमः

मी.

नमोऽगस्त्य उधियैरुद्वैतैर्नमो नमः ५
 यत्तु वीमचक्रुते धुविष्णुमये तिस्रिः
 नमस्तुभ्यै नमस्तुभ्यै नमस्तुभ्यै नमो नमः ७
 यत्तु वीमचक्रुते धुयैर्नमस्तुभ्यै नमः
 नमस्तुभ्यै नमस्तुभ्यै नमस्तुभ्यै नमो नमः १
 यत्तु वीमचक्रुते धुवृद्धिः पञ्चसंस्त्रिः
 नमस्तुभ्यै ३ यत्तु वीमचक्रुते धुनिः
 पञ्चसंस्त्रिः नमस्तुभ्यै ७ यत्तु वी
 मचक्रुते धुकणः पञ्चसंस्त्रिः नमस्तु
 भ्यै १० यत्तु वीमचक्रुते धुक्कयः पञ्च
 संस्त्रिः नमस्तुभ्यै १०० यत्तु वीम
 चक्रुते धुमन्त्रिः पञ्चसंस्त्रिः नमस्तुभ्यै
 १०१ यत्तु वीमचक्रुते धुयः पञ्चसं
 स्त्रिः नमस्तुभ्यै १०३ यत्तु वीमचक्रुते
 धुवृद्धिः पञ्चसंस्त्रिः नमस्तुभ्यै १०५

यद्देवीभवकुतेपुसतिरूपं संश्रितं
 नमस्तुभ्यै. ०५ यद्देवीभवकुतेपुलक
 रूपं संश्रितं नमस्तुभ्यै. ०६ यद्देवी
 भवकुतेपुसतिरूपं संश्रितं नमस्तुभ्यै
 ०७ यद्देवीभवकुतेपुसतिरूपं संश्रि
 तं नमस्तुभ्यै. ०८ यद्देवीभवकुतेपुकी
 तिरूपं संश्रितं नमस्तुभ्यै. ०९ यद्दे
 वीभवकुतेपुलकीरूपं संश्रितं नम
 स्तुभ्यै. १० यद्देवीभवकुतेपुवतिरूपं
 संश्रितं नमस्तुभ्यै. ११ यद्देवीभव
 कुतेपुवतिरूपं संश्रितं नमस्तुभ्यै. १२
 यद्देवीभवकुतेपुसतिरूपं संश्रितं
 नमस्तुभ्यै. १३ यद्देवीभवकुतेपुदय
 रूपं संश्रितं नमस्तुभ्यै. १४ यद्देवीभ
 वकुतेपुवतिरूपं संश्रितं नमस्तुभ्यै.

मी.

५३०

विनष्टकारभा उद्युधिपूर्वभव
 इतिउरभारुउउवाचपूढ व
 मःअक्रिभृणभभूवभमेनिद
 तिवक्रभृणउ ३ यत्रिहउव
 कभारुभभंभभृकारंनिभृ
 तभा उद्गरभृउभिहवैतिवि
 लःकसिभृणभृवि प्राणं
 भृतिपचभहउधमि यद्गीउयति
 क्षिणःभृणभृभृलवभृभृल
 यितंनीहृभृगतिभृभृभा ५
 यद्गृहवमभंभृकतिकरल
 भृभृभृकवंचभृभृतीयंउभंन
 भमिभनभभृहीणभिभृभृभा
 भृभृचिपिभरभृतीभनगते
 भृभृचिछिउयनेमृभृगिरिव
 उउभनियंउंयेनंविनभिभृभृ

एककं उव वि वीरुभन पं भव
 म्भन ह्मने कु ए भुं यमिवा यम
 म्भन गं य भु भि उं द्भु भन
 यं य क भ म प क य न वि वि न क
 न पि व मि त्रि उं ए भुं व म क ली
 कै र डि उ र भं उं उं म भ भुं र ल भा
 व भी भु भु क ण रि ली म क यं म
 क भुं ए किल ठ क्टे व र न
 प म ल क रं क दुर ज्जे इ ल भा
 उ ल भु भु ए य क न न य न भि भु
 भु लै कि नी य द्भु भ भु न मी ल
 य वि भ न भ उं थं क वि द्भु उः १
 यं थं थं भु र भु री क थ ए ल भ
 भु ठि र भ भुं मि भु त्री म भ उ भु
 वै रि व मि रि ए य वि भु त्रि भि उ
 भा भु भु उं वि क र भु ए क र थं

पं.
 भु.
 ३

CC-0 In Public Domain. Digitized by eGangotri

55.

भिनी भगिनि धिनी नद प्रउ न प डि लि उ भ ॥ लहू
 गभव जी न द क व नी ध भ न मिनी ॥ प ह भु ग ण गी डि
 भु गी डि लु न ले म न ॥ म उ भु ग भ यी ड ड ॥ ध रु भ य म
 दे व ड ॥ प्र ह न गू भ भं भु म भु भु भु न व भिनी ॥
 म ह ह न भिनी पू ड ॥ पू ड भ न नि व भिनी ॥ गी उ च ड
 धि य क भ ड धि म धि म क य ॥ नि ध भ ड धि
 य भू ह नि क सी म भू उ भ ॥ भ वि ध भू लि नी सु
 ल वि सु भे न डि न मिनी ॥ वि ध गि व ग र भ नी उ न
 क उ भ डे रु व ॥ ह ड की डि न र क ह ड वे म वि न
 मिनी ॥ उ क श्री र क भो ग डि सी उ नि क भि व ग डि ॥
 म डि क म डि क डि सु भ ड क डि नि म भ नी ॥ रु कि नी
 म कि नी म भू न कि नी म ड व भिनी ॥ मि ड भि ड धि
 य भू ह भ क ल ध न म व ड ॥ पु न ड भ ग र पु ची भू ड
 भ नी वि म भ ॥ भ न भ नी वि नि क म ड क भ ड वे
 न मिनी ॥ म ड भ भू ल भ ड म म ड भ भू ल व भिनी ॥
 भु लि भ भि पु य ड भू भू न क भ ड धि मी ॥ न भ
 भि भि भू भू भू भू भू भू न व भू डि नी ॥ न र डि नि
 न भ भि भू ड ड भू ड ड भू भू ॥ म ड भू भू म य न ॥

कव.
म.

CC-0 In Public Domain. Digitized by eGangotri

कैमकीजुधमजुधमभिय॥ उउतामउतकिदिः॥
 कुटकुकेरामय॥ सुयभुसुभुपमसुपुपुप
 वचिनी॥ उरभिनीभठिकमठलमचलमविनी
 मजकेमीमदवडुवदिः मरुमरुदिक॥ मरु
 ददामेष्टुविमेकमेकनमिनी॥ मरिहीमरु
 मेष्टुमरुमभीमरुदुडु॥ उमभीमउमेयकु
 पु॥ इयविठविनी॥ मरुकुहकुपमवेमविह
 ममभुदी॥ मरुगकलिनीकल्दभरः मंकल्दभ
 उतिः॥ मचलेवमयीमतिभुचसुव॥ गेमर
 मचष्टुवडीवगु॥ मचउरुवनेपिनी॥ एगउसु
 मभुपिमभुप्रवभुउगीयक॥ इमभनउदिक
 मरिगमेमगविनी॥ पनकुभिः पनभडुपनकु
 नकीकुडु॥ सुभलद॥ नेइमकिपिगुहकुठ
 विनी॥ सुमप्रामयीकामदकमीकिउपामुः
 नगवलीनगकठठिगिनीठेगवलठ॥ मचमभु
 वडीविह॥ सुभउिचमवदिनी॥ सुतिः सुतिग
 ह॥ मेष्टुपडलवमिनी॥ भीमेभउकुविह
 मभुठठिठकुवडल॥ मरुठिदउरुगिनी

ठव.
 म.
 ७

दृष्टुण्डगं कुमिन्नुपि मित्रं भूषाभि ३
 प्रकल्पयन्निभस्रानेभुगयउग्मापिन
 लेकयतिउनि यवकूवामिठगवंभुव
 मयदिभयेदिउयमः ३ निवमिवम
 मेसकूमरगउवइलमुकूमकम
 भा उवमरकमलपुगलभद्रपर
 भुदिभमयेदु ५ उवकाद्रिकमल
 मन्लीनयेयवामिगदुमयति
 उविगिदुभठिकमलीनलिपुमभुवम
 भीमदमति ५ इदुकमवपुधेनविठिं
 किदुनप्रुवतिउतिउमा उदुदेवठग
 वयगिल्लेभीसुगइतिउपिविदुः ७
 पयपदुगभंउवकेमिदुपदुपिउ
 वतिभपउः केयनपिभयतिउमदे
 कउमकउवपुदुयमुटभा १ नयविदु
 दिवठतिविठउयाकममनभमभउति

13. 3.

शुभत्रसियेषुनियतंमिवसुनिः यःसमी
 वविभुतेभउमय शुभभेभुवतिगभउं
 पभा ०३ पमिभभापुमिवेगुमिदं॥ग
 द्विगलिउेविगलेभनमेभनः उरपिन
 सिठवदुगेपगननकवदविपठूनभ
 नपि ०५ भउउदुहववभापपदुलेर
 गविलेकननलभयेउभः किमपिउदुन
 नषभनगिवभुगमियेनभभाकिभाप
 सिउिः ०७ दुरविठेदभउपगउकिं
 भापमिदसुिविदुतिगषपग उरिदउ
 वकउम॥नभुकिंउपषमेउिभनः परि
 हउउभा ०७ क॥भपीदनउवंकउ
 भउं५उिठवेयभदंकिन॥॥नभा कव
 यठेयगभभवभायगयविउं७भयेय
 भदंनयेउा ०३ नकिनपसुतिभरुभयं
 ॥नभुववपदुयम सिभलीभनः उरपि

भवविद्यासुत्रवङ्गलः किमिदमगच्छि
 नमः लेखिमे ०७ भगवन्नामकः सि
 रपीदिउंविषयभोष्टमवपिमयत्तिउं
 भउउभवठवद्रुपमीका७भउमठीसुम
 लेभमयेदिउउ १० किलययेवमिव
 पुनिउवकेतउपदेमिमदेसउवेसुय
 मुठमउद्रुदिउनिउयेवकिमपांभगये
 रुवउः ५६ १० यउभेभुमयभेतिविव
 सेंसुसुभः ५६ उतिठिः भदभचैः कपि
 भविष्णयउमिवगतिः सुप्रठ ५७ रुभ
 रुपः ११ सुप्रपज्ञितमदंरिषलेकेष
 पिपुभमोसुभवे नीभंउयपिलेठ
 वयद्रिभद्वनभउमेनविदीनभा १३
 वउनवमुठेयमद्रवनेठवयाष्टिभ
 यभुयेवल्कः यययं ५७ भानमेवमेष्ट
 भवणीदस्रवउनेनमेति १४ भदउभम

३. सु.

११ १०

मेसप्रष्टभनेष्टनिमंतिधुसिप्रष्टनेक
 प्रः वदिगुगपीदरुचभनः भुगमि
 दधुमगीगणवममुता १५ उतिभग्मे
 कुलनभनियतुमुनेरः ॥
 विउदरुपद्रुभभद्रुभभभेगभभि
 नभा गलेपभिकयनभभंभुवेमप्र
 वेमय ० ठवरुपद्रुभभभेगभभि
 उभुचष्टः सुपगगठभभभुनतुनः भभ
 दंभभ १ द्रुयकनभेठगवत्रिययवठ
 येभभ द्रुयतुचभभिभ्रकेठवेयंभभ्रुष
 वृणः ३ सुदेभभभिभ्रभिभ्रदेभ
 भ्रुभिलेभन सुदेभभभेविभ्रभ्रकेदेव
 नुतेयभभभ ८ द्रुयपद्रुभभभभभ
 गिभीनिउलेभनः विभ्रभेयठवठुकि
 भभिगभभभभ्रलिउः ५ मिउद्रुद्रु
 विविठेवभेयंभ्रभियभभ निगुगद्रु

नामययीवादिदमा ७ यज्ञेवी
भनेउभूभाभेणयमगेभग्ग वरुऊ
पःभित्तुयदिवाभुवःभमदंभे १
भभहभउठगवठवठुभगीययः
विकभदेधयवनेहदम्भः५९नयउ
३ प्रभीयठगवनेनददयेपतिउंभर
भनेभउउमभृकीविदिवगलेयिव
७ ५ददद्वषमेकद्वययिऊद्वय
यपि वरुयवउगठवद्वकलीठव
भेधुके ०० वदिगष्टुगपित्तुद्वभ
नेभयभुमे ठवद्वयभुल्लभद्वभउभ
उउसीउभभा ०० द्वयभेभद्वभ
उभभेउत्रिभल्लभभा केष्टमभचभ
भेगलद्विठिगेभुमेभय ०१ निवेदि
भपयद्वग्गदिठगवद्वय सुयय
यभउतीदद्वद्वठउल्लनेःभभभा ०३

उ.मे.
९९

ममेधकुवनदगनिदृष्टः आपाम
 नमा धामिन् द... ममेधप्रमदले
 कनक... भा ०२ मनु ८ क्रियमक्रु
 मच... भीनिउक... भा नमेमहं मि
 वयेति प्र... यचुं दृ... दृपि ०५ मपि
 लह्वठवकवः ध... ह्याममयं... गता
 पचृठ क्रिगभठिगेठवेयभविष्येति ३ः
 ०० मुक... नीयमपयेननवनवि
 कृते जवतेन द्वितीयपृष्ठययद्विप्रल
 ३ ०१ दधृतेरदृतेयद्वगगद्वेधदिदु
 दृते पीयतेठ क्रिपीयुधमभुदुभुयं
 पयं ०३ उदयप्रचमेरद्वद्विउक्रम
 भवभनमद्वउभा णुमभमनसिय
 वचमृउद्वचमनगद्वः ०७ कुरगग
 दिधगगः क्रमदगम... धुलेधुगमि
 इभा उक्रंविगे०१ सिकंवेण्यदिउभम

१०६५५५ १० विमर्शेन नमः भुवि
 विषयश्चात्र विवर्तमानेषु
 दिग्भ्योऽङ्गुलीनां हस्तयाम्बुजा
 १० वामिनेन भविष्यत्समीपे
 भुक्ता गमिता भवत्भवत्भवेत्
 भवेत्तु ठक्किभः ११ मित्रमित्रमि
 वेति नमः निवर्तिवर्तिनः
 मित्रा सुभ्यः यच्च येन कमपि भवत्
 भवत्तु भवत्तु १२ भुक्ता नमः
 इति विष्णुपतिनिधीतमभ्युक्तं
 नि सुगमिन्तु पतिनिधीतमभ्युक्तं
 मयमदं नवतेजित १३ भवत्तु विष्णु
 एतमिनिमासुते सुतिनतेन किमपि
 यत्तु १४ उतिमतिः भवत्तु नवत्तु
 नवत्तु १५ सुते १५ किमपि
 भवत्तु नवत्तु भवत्तु

(उ.मु.)
 १३

जलभृमभा गलति यत्र भमभुमिदं भु
 णभगसिविबुमिदं दिमिभमभ ३
 भवन्ननिदं सिन किदने पादुभेभुवि
 यतिः ॥ क ॥ भमभपेभमभ विपुत्रभ
 द्यभमभ निविभुउपिभमभभुभदभुय
 भुमः पदभा ३१ विवेगभभेभमभेभ
 येनप्रभु ॥ ३२ द्यः भविपुत्रः भदेवभु
 ॥ गतापिविवेगभुः ३३ कयवाभन
 भेदइयासिमचंभुभेवउता ३४ पपभा
 ऊपिपरिप्रलभुभेभमभः ३५ निविकले
 भदभप्रलेयभुभुवभुवः भवभुति
 कगीभुयभनभुपेववाभम ३६ भवभ
 वेमभः पभुभवेभवेभवभयभा विभेभे
 निगः कभः प्रदभपरिप्रतिः ३७ भग
 वभुवउप्रलं पभुयभापिलं ॥ गता उव
 उयाभिमभुभुभुभेनपरिपिभुमे ३८

ॐ.सु.
१८

१११
 अथैकैश्वर्यपादः ५३ इतः ९ गत्
 इविकल्पकलङ्कवनीमभलभउह
 दिनिगलत ठगवत्रानरुभभउ
 भुमेमिन्नयेप्रतिः ३ गगदिठयठ
 वा ५ कलठिउंइठुकिठवनऽधिकसे
 भुः मृष्टाययउभैमंश्वलुपकेयव
 ठवभिपगः ५ इष्टुगलठवनभउ
 मभगभुष्टनैपुल्लनठभा मिउमि
 रंनिःमेपिउविषयविषामप्रवामनऽव
 ठिमे ५ इष्टुकिउपनयीठिठिभंमदज्ञ
 वमन्मैधउउभा मउैभुलिविभ
 इउगगागिकउधुवक्रिक ७३
 उमिन्दरेठवउंभउउभपज्ञिकेयमइज्ञैः
 दठिददष्टुविठिगु मपियउवदिः ५३
 कउे १ ठकिभर ५५ निउविठुभवमेन
 पष्टेयभविकलंकरलेः मिवभयभापि

नैलेकं दियं ह्यप्रभयीः भक्तः
 ३ भक्तभने गदी उदकं किं कलः
 नलिभादिभुता। अहं भवहृत्प्रलंभ
 भेतिवृद्धिं रुद्धीकृतमा। ७ अतिवी
 विषाविषयनभयेभपुमयेरः

१ ॥

वियः प्रभयलवंगुगतिउेयमरुक्ति
 निवभभपेयुषे जेपभयभभविउे
 कयउममवपुषिउ किमेष्टः ०
 द्युदुष्टपरिग्रहं च केष्टुप
 गिउेपभेउः भवकलमिदमपभसु
 स्तनयेगभदिभदिविउे ७ लेकव
 नवउभेविषयेपुम्हीउणवठगवदरि
 उदः केवलंउवसगीउयेउं ह्येकयेय
 भदभसुविकल्पः ७ मेदहृमिपुउव
 भनमिदं श्रवणमिदमभपेउं भंवि

(उ.सु.)
 १५

दः पवि पुते पुमेउन धा नममठवमु
 दउपः ५ निः निः पुपये पुपउ द्वि
 भाः काल चउयउल्लमिउमम काल
 मपीममनगपिमेवदुदर विठेरम
 कतिभादममा ५ नमममममिउ
 ममीउल्लठवर वेमवेमेनठवयना
 वपुगपिलपरउपहुतेचवदगनति
 वउयेयउना ७ विकमदधवपठ
 वरदु कंममपयानुल्लगतिमममम
 वल्लुमचमिदं दयवलिउंममिपवे
 पगमेधनपगष्टमा १ मममिया
 दपिउममउवकनन विलेकपमम
 उमंभवः ममपउयषाठवरदय
 शवनपेठगीपतिप्रममा ३ मपि
 कदमनउवकममममउक ७ कु
 लेनउनीयम मकललेकमपिपम

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ११ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १२ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २० ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २१ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २२ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३० ॥

ॐ नमो
 १

ॐ कमा प्रवृत्तविदयानुक्रमद्वय
 नेमनः ० इत्येकगुणमुद्राप्रमाण
 मदनः कदमाकद्विगुणमिदं
 उभयभुक्तः १ गणकगुणवमि
 उनिगपेकीकृतभानभेदिकर पर
 पण्डितिविधितुपिलयनलभूभ
 पेष्टमि ३ भुभविष्टाद्वयगुण
 नःभवेवतः कदमववमीकृतं
 ठवकृतिप्रवतः ४ कदमभुष्टि
 इतिठकृनकृभेष्टवः यदलेकम
 पानकृपिष्टमपिलभुते ५ गंष्ट
 भठयभुष्टप्रलभकगुणमपकृतं
 नमा मदनभुष्टिष्टयकदमभुष्टि
 नष्टपिष्टमि ७ कदमभुष्टिष्ट
 उववलुठतभियात ययभंष्टिष्ट
 पियुक्तंभुष्टिष्ट यिउभा १ उद्वेष्ट

म॥ नूनं ठवदुग्मयान्नं नृधुन
 मेदिउरभाविउः चं कय विठे ३
 लूनभृपाभकुभिदेगभृपाभयम
 दृकृजिदविठेकदिप्रलभेभृउद
 डिउ ७ भदमेवउभृकृगग
 भवधृदृदविवमेदभा दृगलव
 गविणनंभवभृकृयिष्टमि ०
 परिउः प्रभाकुदृदलेकयमः भय
 चंयषेमनकिाहिनेभयाकुयाविने
 ठवेउ ०० सुधनहउनिःमेधम ५
 लेनिविपककः कयठवेयंठगवेभृकृ
 कृगलनयकः ०१ नधलेकाठिभ
 ननभप्रवेदंनिवन्नभा भदाठिभ
 नःकदिचं दृकृजिभप्रिउः ०३
 ममेधविधयकुटमीमभवेधभासि
 उः मयीयमिवमीउ डिउमेमयय

७.५.
 ११

मवङ्क छडा गतिमजयक भा
विडा भगविदविष्टा कुभम
वालावालायडा मनहुजुभम
मिठिः थरिवडा मभिहुमिठिः
कमधुवनमपुनहिभगभुगरी
पाउनः ३८ हुमैरुवीभिवक
लाभनरुल्लमभुहमिडाभु
रुल्लमभुल्लिकयतुः महु
भुगनिभणियः कवयेठवति
हुठवनं दिडाणियं कुलकभ
पुनः ३९ उउभुदेभममिरहिभ
रभुनीदिमउसुरतुनमभिय
वनंलुनीदि करणुदेनिग
हुचचनपीडितछुडहुं भुति
मण्डितिमनिगहुभुहुड ३
महुलि विहुमभयं भुतिमभि

वं यमिउयतु नल्लकत्रिभन
 तुपुपभा उनेउपकालनमभ
 मठठलनेकठवभत्रभरुव
 नलतभुनः ३१ इरूपभ
 लभितमभभभधरुभभरुव
 येममनमैवउभनगंयः ३२
 पदीनभपिभनमनिचिनेध
 भल्लेकयतु नल्लतभुनः
 नः ३३ इरूपकनिउपलभू
 ललित वतुमेभुल्लनभ
 कठनगगितमूवल्लये भुल्लभ
 डिउमि इरुमननमाउगी
 कायगेइकीउनंवाभिभ ऊरु
 धिइरुपमनहभनितभेवि
 भमभुत ३४ यःभेइभेउमन
 वभभीसुनयः सुयकं ५०

थं
 मं
 ७

५॥
 त्रिवार्यमिवामुलेति उच्यते
 उं कलतिरगणठिरीहुतमेरु
 येतमभियुतमेभमिरेकलन
 भा ३७ बुद्धेदुग्धदुग्धपरिमदु
 भनभूगमिधुमिधुधननदु
 उमनवचिउयै वणीसुरि
 रिदुवनसुरिविसुभाउरु
 उदिम्वरुतमंभुतयेनभमे ३
 इतिमीधुमुवः ॥ ५८ ॥ भवः सि
 रीयः ३॥ उमिविदुभकयदि
 थाचतिभतिइलेरुभातः सि
 व सचलिदिभोभरुनिव
 रमेरुमुलिकट्टयलि श्रीम
 ठगविमकि सचरिकरकल
 कये सुत्तिनि इदमभूत
 ननरुभनभापद कुलान्य

三

ॐ

गेकर ०३ ठहूभवमभहूयभूय
 रुठेगसभदः कयपांगमिष्टमि
 ठविष्टमिकयदती ०५ मुनयव
 धप्रज्ञालितः परिहृयुगहृयहृयः
 दमेलागमितवयनभूयभयनभंकर
 भूमि ०६ पयुलनभभनवडुभव
 प्रययसकयमिभंसमे मुधययी
 यडवकठकेमिडभाडुनेडुपमा ०७
 लहूलिभादिमिहूचिगलितभकले
 पडपभडुसः इहूकिगभपनही
 रुनिष्ठः कयसीयः ०८ नषकयस
 उषविणमुकट्टेभभभहूगुमि यड
 भनडुभेवभूगडिपुभुवकीप्रतिः ०९
 गळगळठवयडिभेयलिहूनहम
 नडुयमेडः वभूवभिरभयडुडणव
 दंकयभभवलेकापिडुसि १० ॥

उत्तिस्त्री धाउ बुविः यना धिनवममे

३: ७ ॥

छिनेमेकृष्टभवमुंउः गदेकईठे रि

यभा भादेष्टा मूलिकनामिउं पंम

भाष्टयउ १ येभदेवानुगगेः कव

यमानगामिनः यइउउगउठेगंमुकं

मिउपकुझिउ १ ठउकलनुकेयउ

ठवंभुउउउउः उइमेउठेगाम

कलक्रीदइवकी ३ कलभाइभापे

नपिविकुदेनामिलहमे उदेवभचः

कलेष्टइयनचैनप्रदउ २ मुनचउ

भाविउमुगइभागलिउकुवि भदभुव

उइभउभंदनीउइभः कलः ५

उलिंयाभमुजीयायनेशकाभेउवइठे

मूलैकिकभृकभृपिभादइभेकल

कल ७ उनेवमुभैमिठयमचन

उभे

१३



धृत्वा ०८ भगवन्महोत्तमयेन सुपि
 शृंगरानि इयिभ्यन्तमेवुत्तमभु
 विंतेमिने ०५ मेवमः पादमेव लि
 यानिभंमरि ०६ मपि पट्टाष्टवदीय
 मयुत्तययिभहत्ता ०७ भवमेव
 चमजेमद्वैवमतिमिदये भवव
 धर्मतेनव पुत्रभृत्ता ०८ पुत्र ०९
 इदुलिताः मृत्तुमिह ०९ मेवमेवम
 पि नृत्तिपवनेकुताः कयमपिमवे
 यव ०३ ययिनवपुलेष्वामिभने
 नरवेत्ताः केनदीयेन शृंगभृत्ता
 मत्ताय ०७ वक्तुमेपिमदीयांमः
 श्रुत्येन शृंगभृत्ता ०८ इदुपवमद्वै
 प्रत्येपमभृत्ता ०९ भवमवमवधि
 विमवेवमतिमिने भवतेपीमत्ता
 उममिभमभृत्ता १० मविहमेव

७.५
 १७

नवभुजपुत्रमउभम उषापिमहृष्टम् ७
 भद्रमेवैकमाभ्यं ११ भद्रमेवैकमाभ्यं
 सिनभक्तवशिष्ठम् १२ भद्रमेवैकमाभ्यं
 सिनभक्तवशिष्ठम् १३ भद्रमेवैकमाभ्यं
 सिनभक्तवशिष्ठम् १४ भद्रमेवैकमाभ्यं
 सिनभक्तवशिष्ठम् १५ भद्रमेवैकमाभ्यं
 सिनभक्तवशिष्ठम् १६ भद्रमेवैकमाभ्यं
 सिनभक्तवशिष्ठम् १७ भद्रमेवैकमाभ्यं
 सिनभक्तवशिष्ठम् १८ भद्रमेवैकमाभ्यं
 सिनभक्तवशिष्ठम् १९ भद्रमेवैकमाभ्यं
 सिनभक्तवशिष्ठम् २० भद्रमेवैकमाभ्यं
 सिनभक्तवशिष्ठम् २१ भद्रमेवैकमाभ्यं
 सिनभक्तवशिष्ठम् २२ भद्रमेवैकमाभ्यं
 सिनभक्तवशिष्ठम् २३ भद्रमेवैकमाभ्यं
 सिनभक्तवशिष्ठम् २४ भद्रमेवैकमाभ्यं
 सिनभक्तवशिष्ठम् २५ भद्रमेवैकमाभ्यं
 सिनभक्तवशिष्ठम् २६ भद्रमेवैकमाभ्यं
 सिनभक्तवशिष्ठम् २७ भद्रमेवैकमाभ्यं
 सिनभक्तवशिष्ठम् २८ भद्रमेवैकमाभ्यं
 सिनभक्तवशिष्ठम् २९ भद्रमेवैकमाभ्यं
 सिनभक्तवशिष्ठम् ३० भद्रमेवैकमाभ्यं

सुउरपियमेव ३ शिदुवनपिपति
 मपीदयः ॥ मिवप्रतिठठिठवः ५
 किमिवप्रठलं सुठकम ॥ ठवठिठव
 ठवः ॥ ७ ॥ येनैवठवठेसि
 विठिठकिठनपिठगठं प्रठवः
 दठिठ ॥ मिठमठिठुठकमधुठिठि
 नठवठुठिठवः ॥ ८ ॥ इठयेठिठवठवः
 नठिठः भवठदमिठिठगठविठमभा
 ठवयठपिठिठेठमठनधुठगेपिठठवः
 किमिवठभा ५ येननगठिठवः
 ७ ॥ ७ ॥ सुठमेठठलवेनविठमः ३
 विठमिवठठिठमठुठेगठठमठेठ
 पिठमठभा ७ ॥ ८ ॥ मिठेनठविठठेठ
 ठठमठेठमठिठगठयेवमठे ५
 ठमठेठठगठदेवयठिवनिठदठका
 वठदः १ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥

७. मे.
 ३.

॥ गच्छिष्ये च त्रीणि भिक्षादिभिः ॥
 उवाच ॥ भिक्षादिभिः सन्नेह उवाच कलयामी ॥
 भूपभियेन भवेत्तु भूपभियेन ॥ उवाच ॥
 भानः ॥ उवाच ॥ इत्युक्तं यमभिममि ॥
 उवाच ॥ इत्युक्तं यमभिममि ॥
 वंसातु गल पडित नि ॥
 निमो ॥ इत्युक्तं यमभिममि ॥
 किमिव नल हते वतने ॥
 कलभपिकै उवाच ॥
 मिमिरभपुपमोपगउषा ॥
 कउभगले लिभारिकभोपे ॥
 यमा ॥ ० ॥ सन्नेह सच ॥
 इत्युक्तं यमभिममि ॥
 नलभरुभीभरि ॥
 ॥ इत्युक्तं यमभिममि ॥
 ॥ इत्युक्तं यमभिममि ॥

गभा ०० अङ्गिनाष ठवेत्रयउ ठगवा वि
 मउउमत्रुते ठवः मृङ्किमउमृयउतव
 तेनासाभियंमङ्कः ॐउपाभेसुगक
 उमदमङ्केमयमंमिउमंमउउनिगउ
 गणिविङ्कः सिष्टमृदेकेवलभा ०३
 यरुष्टवायेकुउभाः पीठल्लम
 इवे एउवाकल्लमभउंवरुभउः मङ्क
 मिङ्कासुः उउपिम्पदयामिमउउम
 एकाङ्कीमिंभुअवेकेगभुययउ
 उमङ्किमनष्टनपुलीवाउवे ०३
 देनषल्लउतिनमनपठेमेयेविठउ
 लले कः पैकायउनमृल्लमभउउउ
 मृमेभामृउभा उमेधुअयवमनेल्लवि
 धयभुययउउभा लीवत्रेवमभउ
 वेदमल्लमिङ्कीभुयल्लपाः ०४
 नमेभेदमदयउउमननटकमल्ल

३.३.
 ३०

भवप्रकममिमयप्रकमयेकुलक
ले ०५ उंष्टुक्रविमामित्तमभुके
ममभुष्ट ०० ॥

विभदकगिनकिद्विदिष्टेठवतेनप्र
तिवक्रकंरुमि ठवतेवदिभचभभुंके
षमकृपितवापिनेरुमे ० मपिठवग
७७७पीद्वियप्रमयामधुर्वेणमष्टुः
प्रठवत्रुमपिष्टुःभमपारिपमृयमपेक
विमुकभा १ कषंतेरुयीगकषमपिम
उमन्ननपषंरुष्टुःकेनपिप्रतुतिभद
गुक्किनापमिउः उषेष्टुयेष्टुयभुल्लान
कुल्लमगपिलतःपरुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टु
मभुउष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टु
कूपप्रभुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टु
भुष्टुविमगतिप्रमरुमिः २ नउष्टुनम
मनमेकमेष्टुपिभयइनकलगीठवेग

उदिरं रुवगीयमज्ञनं नम निहंनमक
 छुउरुष ५ इदिलिकनभभकुरेउमे
 येगमिद्विगियडीभरुभुमे यद्विमेव
 भकिभाविभरुउभुइ उभरु नभन्नय
 ३ निचिकल्यठवगीयमज्ञनशुपि
 कलभनभंभदन्नभा उलभानुवि
 भलनिदेनयमेधितानिमयभंभि
 यभुलभा १ रुगवठवगीयपदये
 निवभन्नुराणवनिहयः ठवकुमिभुउ
 भुउभुदं ५ कुभन्नयभननलक्रियः ३
 ठवगडिभीरुदेरुपमिर्ननिगलिउ
 पौषः मडिभदभप्रपयेगउः पगिउ
 भुविमगेयमिभुय ७ यभुयभदिव
 रुवगुणमकल्यउक्रिउः उभरुवभुम
 यिउंभविणनंउवेमिउभा १० रुगवत्र
 पगनपकि ७ निउगमेकुरसेनमेउभा

(३.३)

३३

भलठंभकले पमा यिनंशकुभा ॥ १७ ॥
 पिवेयभास्मिकिभा ०० इयानिगतुं
 भवंदेयभेउउयेवउ इयंभभपये
 यमिहयंभभभदः ०१ ठवतेनुभा
 रिठवउउंशकुवडाएउयेव ॥ १८ ॥
 उउा ठवतेवदिगृठवमइ कषमीमान
 ठवेइभभुतेव ०३ निःमइनिचिक
 ल्येयानिचु केपमषानिमभा केठेष्ट
 कभीकेयइकइमेवभवउः ०४ शक
 ल्यनिष्ठाभभेवयस्मिंइभमिमयपा
 भेसुगीभभेउः शुक्रगगल्लःभभान
 कइः किमविष्ठाभभेठवउइइः
 ०५ यवनपषभपयउेष्टपभगसिउते
 भभेसइइइ कल्लभभकमिदनठव
 सि कभनल्लेउेइमेविषयः ०६ ठेक
 भंविदभउकुगयभभउउइइउयभ

ॐ विठ्ठे भवन्त्यमन्त्रमन्त्रयंभुवि
 लंयवपुत्रभुयंभदभा ०१ मृदमिद्व
 महुनेकावदीयाश्रुतिपातिभगतेमे
 मृगभात्रकमेवविमुनिधूपएतंयेन
 कवेयमस्तिउते ०३ मृतिपरिमितरूप
 भदंतंठवंध्रिकलंपन्ना इमेववि
 श्रुपंनिलनखंभापुपमृयभा ०९
 कवयमृगतेमेवकम्भमन्त्रःपदएती
 धमजुमजुभा भदुकातिगसिनेउषाश्रु
 मभयेकापरिप्रदतेपरेव १० मउमः
 किलतेठवात्रुवाकृगवक्केधमनेवमृक
 धये मपिदलिकमेषुयमगुःपरिप
 मृतिठवद्वयःभदग्ये १० नभामतिरु
 देतियानवतिइदिक्कमयी भदमुठ
 भपेठगृगवतेवभायदते मृतेस्मिठव
 मृदकेतुवियषाउषाभाकृगद्विउनिम

७.मु.

७३

भवति उद्भूतमनाऽपि उद्भवः ११
 कवदीयगदीकविउपुप्रतिरुमपु
 देउभेभेउः उदनाधितिमाङ्गिपुउभु
 कवदज्ञावृभनंयनिविगभमा १३
 दृवदपमपिभचयप्रतिरुदरुक
 लापगंभमा कवउवयवेयवपुउभु
 उावदगलीयउंगउः १८ भनसिभु
 भनयउउउप्रमदृदभभृगेमरेपु
 प्रभृउेदृविलेलावयुधदृगिमदभउ
 गःभयकवेयमा १५ कगवकवदिदु
 येवदभभुवदभोमिपभृनउमङ्गिः
 कवभेधउरपिवरुविभंउवपमृभिन
 सउमिउभेउ १० मभउकभुंप्रतिवे
 कवउंप्रदृउपमवलेकयति उधंभ
 देकिंउप्रपमिउंभृकिंभाणनंवादन
 उंकवेउ ११ कवकवउयभउकव

कृगिभिकेपाः भइभेभुइ मडीतिग
 १० उभानिता दुरनगनिः परभा २
 येवयेवठवरुयभडा एतिभंद
 ॥ नवु ॥ मन उहृषासुउपयऊमं
 विरभंऊनधम ॥ ७ जनेमिउभा ५
 एयउउयनमृउउउः भृउउमपम
 सुः धयभा यउ५१ नभदेइवः भम
 भवमभुठवउनुठवउः ७ यहृषासु
 उपयऊनजनं पुधरजनभदेइवज्ञयः
 मुमभउदिउउगयंठजिमनिधम
 रविष्मभउ १ उउदिदियभापिनम
 उउपुधरजनभायनभवभा भव
 ठवमभकेषुप्रतिषापिवउपिठवेय
 भमरः ३ मृहृवेहृम ५ भाउमभुिन
 धशकमभापिलिविष्मभउ यउनष
 ठवउः ५ गेभुिउिउभेऊनभउउवातिउः

दमणप्रिविनिर्देशेष्टदंष्ट्रयेव
 रमेष्टगुण दमनेननकिमस्मिपुत्रः
 पयमंवदनकदम्पिव ० नकि
 पउमभयेविमालं प्रपुमीमनकी
 धिकदिमिडा मरुभंष्टिकिमगुं
 यःधप्रकमनविणेविल्लभमे ००
 उउउविषयेवदिविठ्टुगेषपभेष्ट
 गीयुता दंष्ट्रगतिउयनिठ्टेभद
 नेकयेयनिष्पलिप्रष्टिता ०१
 धमिमेणमठिभविमइतेनिचिववृम
 णिहृमवर मंष्ट्रभदपभभउ
 मवपानकेनपलिहृनिचातिः ०३
 यःममसुमठगउवसुधुभदभइवि
 णिनमभइतिमा उंमभदयतिउते
 वधःप्रष्टयनुयनठकिमनिनः ०४
 मठयभुपिल्लभद्वनभुगविभुम

उ.मु.

३५

भमसिद्धपभममना यद्भुयंनिर्गमे
 न प्रलभेत्तद्भममति कवमभनमा
 ०५ ये विकल्पमिदमभमभनं पमृते
 मनिपितंठवद्वयः धात्रपकपतिप्रि
 ३५ गदभृ निरुभपिनः कुतेक्यमा ०७
 कठके विनिविधमीमतेकलकूट
 मापिमेमदभउभा सुधुपाउमभउठव
 सुधुठेयवाडियदिरेमतेनमे ०१
 द्धुलपभयगङ्गीतिक निरुयुक्तवय
 नेपमेठितः भमभ पिकवयन्नक्रिय
 प्र्यसीपरिगतमयःभय ०३ गेदिउं
 नउ वपभमेसुंमकुतेग विउंउषय
 मे यउमभउनिठं वपुः धुनपउमभम
 उउउष ०७ इमगापमविकल्पमव
 यंभुद्धपभापिलउपभमना सुविम
 नदभुमेसमचयप्रययेयमठिसंभुवे

यम १० उडिभक्त दसुइना भिइयेयम
भुइः ०३ ॥

[illegible]

ॐ नमः

CC-0 In Public Domain. Digitized by eGangotri

॥ यत्र कर्म दिव्य ॥ नपे कर्म दले त्रु
 ॥ यती कर्म दमदु पदु न प्रवठे व ०५
 ॥ यविषु कये सु द किय निध गिपु क
 ॥ यचेयः मउ पु ॥ नग नभान की पु न
 ०० ॥ यदेल विगीले उ मभु क मभ
 गा ॥ यविषु कय के प क ॥ के प मु मु
 कले ०१ ॥ यमे दनु क मनु ॥ वली
 के कमी प क ॥ यभु पु ॥ गडी रग उ
 क ठि प्ररुध ०३ ॥ यमे द सि क कू उ
 त्रि क ॥ ॥ वली वली व क ॥ यम म न म
 हे म विला सि वा म म ०७ ॥ यर पु
 न ये य पु पु कू व गि मी सु ॥ य प पि पु
 नि चि कू प उ ने द उ म मः ३० ॥ य
 क ध उ पः क्रि ध म नि ये व म म म ॥ य
 य म च य म उ क ठि म ह ले क ले कि उ ३०
 ॥ यभु म म उ म म प डी रु उ नि र म उ

(३.३)
 ३७

१० यथपत्रं नडलालनेकधये ११
 १२ यमनास्ति तिसंभकरलेकपदनक
 १३ यठकिमयनेननीनेदलभदेइव
 १४ १५ य१५ य१५ न१५ य१५ १६
 १७ गभा १८ ग१८ १९ य१९ य१९ य
 २० य१९ य१९ य१९ य१९ य१९ य१९
 २१ य१९ य१९ २२ २३ य१९ य१९ य१९
 य१९ य१९ २४ २५ २६ य१९ य१९ य१९
 य१९ य१९ २७ २८ २९ ३० ॥
 विविभलकानिनेय३ भति उद्यगसु
 षा येगिनः प३ ३ः ३३ ३३ ३३ ३३
 उद्यः ० भायीयकालनियतिगगक
 दगउदिः गगतिभापिनेनषठकि
 भति१ गउते १ नयतिवाभतिव३ भ
 ३ः ३३ प३ ३ ३३ः ३३ ३३ ३३ ३३
 गः प३ गेवते ३ नवि३ ३ ३ ३ ३ ३
 कक३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३

७.३०.
३३

०० ठवम्वः श्रीरवीधुदुक्तिमन्
 वे लव्वेदुभदकुमे दउयपनिगुप्र
 उ ०१ किमियंनमिद्विउल किं वम
 एनभेष्टमध्वति ठक्तिरधयेयभन
 येयंमभेःभननजीठवति ०३ भनामि
 भानिनेभरीयेमय दकुक्तिमलिलउ
 धकमा ननिस्नपितउउनपेरुधेय
 दुभभदल्लोपना ०५ ठक्तिठवतिरि
 नयन ---

..... एतिगभिकव
 यपिनकिद्विद्विधमध्वतिभधुभमेध
 भा यरनवमिवगिधयेद्विद्विभय
 यतिठकुल्लनधुमा ०७ ...
 पिसभकुउउ
 भेष्टभउं मभेभेठवउ दकुद्विनये

७.५.
७७

भयीदतः वक्रमसुं प्रतिवेयम
 दं किलकः नमा कवयः कवयः
 वक्रमसुं विरुं भयेयमदं नमेडा
 ११ न किलपसुतिभट्टमयं नभुव
 वधुयमः विभलीभसः

उतिठकिनेउरनभविपासुयमनेरः

०५ ॥

विनकिाद्रियेवलेकनं कवयः व
 प्रति नकिाद्रियेवठकनं कवयः व
 ॥ प्रति ० मधुपायः मधुपायः
 नेपिविमेधः ठकिः कवयः
 मभनकुदेवठमते १ ॥ यत्रेपिद
 मभुतेः मभुपिदमभुति कवयः
 किमपानभुः कवयः विठे १
 मधुकं भवेमिष्टुयमेवमभुयव

७-३-
५-

१०४
 ठक्किः भउं ठेगय कल्पउ येवंसु
 पण्डुमवेवमं विहृच्चदिकभयी
 ०० यउउउपमहुनं ठकुनं वदि
 १३० निहृष्टं हृष्टं ममसमासु
 ममापंमममा ०१ उवेमठकुग्या
 यं येहंमं हृष्टं मं मयमा विलुष्ट
 हृष्टं यउके वपुहं ममभयमा
 ०३ हृष्टं मृज्जुमे ठिव हृष्टं
 वदि ठिवउ निधुति हृष्टं वयुके
 ठकुनं हृष्टं ममे ०४ भाव
 भावग्या विनिधु कविभलेभनः
 यमृमो ठकिमं हृष्टं कुलसीलः
 कपं ठवेउ ०५ गगहृष्टं वक्रे पि
 यं ठकि हृष्टं लिउः उवमदीय
 मममृकउमठकिमं लिनः ०६
 यमृठकिमं ममपानादिवि

विभक्तभा ३५२ गविमष्टतुमामु
 स्त्रेः भाषासिक ०१ कीदृष्टिपदं
 दुः प्रत्येयनभवेत्ता ठवकुक्तिभतं
 लाष्टलेकयष्टवचयी ०३ भाक्ति
 भंजविपक्तयं ठक्तेवदयिष्टे ३५
 भाष्टरमकुठभक्तकल्पवयं ३३ ०७
 रुः पागमेपिष्टयान्नेष्टकुक्तिठगिष्ट
 नः दृष्टगमीविठेभाकुठपिसेष्टपा
 भग ३० दंठकुष्टीयसेठक्तिः श्रीतिष्टयि
 यनषयता ३५ दृष्टेष्टमयंयुक्तंयष्टवेष्ट
 दृष्टेवता ३० भाक्तेवविगक्तेवतु
 ठवादिष्टव ठक्तिभतंनंनष्टभवष
 मिष्टगमयः ३३ मुष्टिमेवष्टगवृते
 ठवकुक्तिभतः ५३ दष्टः ५५ मनठल
 भष्टवष्टगविष्टभा ३३ पुष्टठक्तिः ५
 ठक्तिः ठक्तिचिष्टभदेष्टे दयिमभे मि

उ.मु.
 ५०

वेदेवेठकिप्रभकिमष्टदे १२ ठकिठ
 किः फेठकि ठकि प्रभमभकल अंगं वि
 मे भियजीवठकिमेमुपंगद्वि १५ य
 उमेभमचमेठनं प्रभववनिगीमउडा
 इयिनप्रभन पुंभुद्वंवायदिवद्वं
 सुवेदकदमवेद्वं संवेदनपुनिः
 ठवउत्रवियेगेमुतेल यतिठवद्वं
 मंभमभममेवहै के सिद्धं परिगृहमे धामि
 योमुउरैवउभुद्वं भुजयद्वं १३
 पानमनप्रभमभमभुजयमभमुविमुय
 मितय प्रनयेद्वंभमभयद्वंभमभ
 उद्वंमिवंवे १७ पभेमुगल यद्वं
 प्रचउवविमुमयदीमिउद्वंभमभ
 पिउवेवउययेद्वं गद्वं ठियवउषन
 ठति १८ उमिपामनमुद्वंभमभ
 पद्वंममुद्वं १९ ॥

१०

११

विमदेकेपि १ यदुपपन्नं पुणमदेकः
 योभउगममयमस्य २ पियरुहने ३
 दपनःमिहियःमवेयेदुपपुःमगः
 ठऊनं दमयमवेधयंमिहियपवते
 मवयमवठवेधुपुगपद्वचकुपि ॥
 मुज्जतिदमविमृत्तुंयेमभेउपियेवतः ३
 एनयामतिभुगमिहियुपुज्जनेकवः
 प्रयविगिरिगिहियेठऊनंमभयपुमे
 ठऊनंमभउभगविधुवदमयःमय
 दठवमपीपुधमेनेधेमयमवे ५
 यधनमपदनेनयकलकमःधठेः
 प्रयद्वमेदियउधःकउगधुधुधः ५
 भा ७ दऊदीनमपीमपुतेयमेठ
 दठगिनःयेधंमुधपिमेदेपिमिउधुदु
 १नेद्ववः १ १५उं १५उंमउंएयउं
 नयकेवलभा ठऊनंठवयद्वमभदे

१

२

७.मु.
 ५१

यवहृदउद ३ ठवदुरभणभ्रम
 भेगभापिनःभम ७ द्यमीनभवदु
 भादनभभिकःभमः ७ १० गद्वेठेक
 १० नकेठवदुरभदेद्वे यद्वे ११
 उकिदिमिठुकाणवविद्विउभा ०
 दद्वधिमिद्वयेमिद्वधिमिउद्वकमठिः
 कयवःमिउयेधुद्वे ११ ययेधुभदाविठे
 ठवदुरभयभमभेगभापिनेभम
 प्रयउकनःभकनेधननेपीयद्वये ०१
 ठवदुरभउगभठेगनभदठविउ
 विवउभनयिनभमभद्वनउभम ०३
 १० गद्विलयभाद्वउभठेकभानिठे
 द्यवेधुभदद्वनभमभयभीयभचर ०२
 ममेधवभनगुद्विविठेयभनभम
 भनेनिवेद्वउठकेःधुधुप्रविठेउव ०५
 नद्वनेधुयेवधुधुधुविठेयनविद्वनने

००

६३.

五

धुमसिद्धिजनं नृपमसिद्धिजनम्
 केवलं विद्यावृत्ते कव्युरभये चरः
 मदेठकिठोद्योगे उभं वरद्वयि
 नृपः प्रवृत्तिः केपियेनयः सुकल
 द्विः ३२ कनमेठनके कृतः काम
 मसिद्धिजनं केवलं मेकः केद्वयम
 मदेवेयद्वय ३५ मनुजलभयक
 कठकिपीप्रधपेधितमा कव्युरभये
 गायमगीगमिदमभुमे ३६ इद्वय
 रमभेगपउत्तः मयविठे कृतमं
 एगउभीमाणकः सुकलमोक्षितः ३७
 इद्वयजनमभयद्वयविकेधमपिष्टे
 रयउमीउलभुद्वयकव्युरभयमभः ३८
 यषद्वमेव एगउः प्रमभेगकृत्तमा
 उषिमठकिमनेव प्रमभेगकृत्तमं ३९
 केद्वमे एयतिष्ठमिठव्युरभयेद्वयः

धाडिं सते पिउ दानं केठेयरेलभटनं
 नभुहे विठेये धांठ जिपीयुधव रि०
 प्ररुवेवठवतिदुमुझे पका ॥ ७ ॥ रिपि
 १० प्ररुम्मे विठेष्टदभनृयेयं दुर
 द्रुगभा धादुवेवपठकभातिदुहे
 ॥ नकुमिग ११ ॥ ॥ नलठ दिवेदु
 ह्यैः कैश्चिदुरमदेदुवे भणभवेनम
 कलशगतीमंविठल्लु १२ ॥ १३ प्ररु
 भउधनभयेयेधं ठेगः १४ क ॥ भा
 किंयवउउभऊमे किंयकेपेवउ ॥
 नः १५ प्ररुपका ॥ १६ उविनुवे
 मेनगेवभा मदेकिमपिठकनं कि
 भयेवंयनभवभा १७ प्ररुभयक
 विकपकेठयवभउदुमः ठऊनंकी
 १८ नठिकेठयिवयिवेकभाभा १९
 प्ररुकेयनभनृनेनें कभयपामिव

७. मु.

५५

CC-0 In Public Domain. Digitized by eGangotri

॥ कच्छसृकपिलक्षीविः ॥ ५० ॥ ॥
 एषपेमनिभानवउवैवकिलरुमृते
 विज्ञेयुगेपिभरैदरसुभेयज्ञलहृमे ॥
 मरुप्रतुयप्रतुवृठवहृवृठवउः
 उउयचैरममुमृठवहृमभदेहवः
 ॥ कर्मरेणठिभनेभूमपदमीतः
 मरु येजयतिनभमेहृमेधं हृमेमिउ
 हउः ॥ १ ॥ एपदेवठवहृमृप्ररं प्रर
 विणः परः यमुलेः क्रियमलेपिगत्रै
 गवैपकन्तिउ ॥ ३ ॥ उमिमीउ हलभेर
 वलुं विहृसीकुवठभानवप्रिभउर
 मभेरः ॥ १ ॥
 विगगउउउठवभूमृप्रनउठवउ
 उगलठउ ॥ गदीमउवैवठकिठर
 नदिउधमिदउउउमिदिदिउ ॥
 केयिरेकठवहृमिहृवनीमकलउ

(उ.मे.)

५५

कुमगहिली ५००० परमभक्तपदोत्तैव
 मद्युक्तवतेनपि १० गत्रयभुक्तः १
 नेरुनतेभक्तगमष्टवलेपवतेलेकः ५
 यत्रभक्तगनिपिलसुक्तवः मयः ५
 नदयिदभुक्तमष्टवैतिनैवभुक्तपमिद
 दउरदेदतेस्मि ३ कवचयभुक्तनि
 वभलसुभभक्तगहृत्तिउपुधरद्विः
 नैरुन १० कवचभुक्त १० भुक्तपेकतेयु
 भदंनभभि २ भक्तकवचदनिवास
 भुक्तपुत्रः परंरुताणधलेकः उवेक
 यउरुभमेयषउरुचननभुक्तवै
 यभा ५ भुक्तपेतिउपुधरद्विपद
 इयप्रभुभउपानभक्तमिउः भक्तन
 मयपुदं कवचंभापभेभक्तनभइलेक
 यउः ७ भक्तनष्टवदगेमभुक्तभ
 उःभुक्तगतिद्विपुत्रे उपयानुपयति

यात्रिमंभभवभुवि विठनुभवय १
 भउउमेवउवेव भौषव ५१ दिउे विमगेय
 भदं ह्य क... लवेष्टभभभठवभे
 नवि... येननयउठवभयः ३ ठवय
 नपगिभवभुमीउ भउभौ ठगिउेभम
 उउेपि ठवयज्ञनभभयेदठऊभुव
 भंभभभौउेभगति ७ भदभउउठ
 कयमीउनेद्वदवने विद्वभुविभ
 मनाषवभेयउवप्रलंकः ०० ५उिवभु
 भभभुशीवउः ५उिठमि५उिठभयेय
 व भभनषउषपगः ५षं ५... नेइइय
 कुलमेठिः ०० मुठिभभभउपदठ
 उेभभउठऊिठ... कलिउभा परि
 उेधगउः कयठवभभभउठवेः ५५
 पयभा ०९ निवभयभभउविभह
 ठवयज्ञ विणिभउभयसिउः भकल

(उ.मु.)
 ५०

॥ नवउभयगोयंगभयद्वचउणवकि
 ॥ नपि ०७ ठवमीयभिदभुवभुउ
 ॥ इविवगीउंक ॥ यइपइभउ ॥ उरमेव
 ॥ दिनभयभु ॥ इमभंउ ॥ इउउ ॥ दोभियभ
 ॥ ०८ ॥ सानुयेनभपलिभउभन ॥ क
 ॥ किमभुउभयभुउः ॥ इठिः ॥ मेकभान ॥
 ॥ कलपिनउनभदउ ॥ इयद ॥ ॥ ५
 ॥ ०५ ॥ रगउउयस ॥ ववापग ॥ यपि
 ॥ कसनभनगवभुउः ॥ ठाकिठ ॥ न ॥
 ॥ नभुभापिल ॥ इमन ॥ वभनभेभदेइव
 ॥ मुभनेकवलनयभुउयः ॥ भचउः ॥ मिपि
 ॥ नवउयेपिउः ॥ इमव ॥ इरु ॥ इमीउ
 ॥ भंविदेन ॥ वठकिणभेभ ॥ ॥ कषभा ॥ ०१
 ॥ नयविठिउभ ॥ ॥ उकि ॥ इमभुभपि
 ॥ उउयउननिदिउभा ॥ मुषयः ॥ पिगठि
 ॥ दिमभचव ॥ इमभविभयणभनभेभुउ

०७

पानिषेण पदभुज्या ॥ छानिउरेउ
 विकल्पभनभुमे रानिउरुक्तयभंम
 यवैरि ॥ भुजवले कनभभुनिगुभा ०७
 भुजभा विमभा भव विनेयं भउं नखठ
 वउभा मियभउ ॥ गठभनवभुवैवभा
 काशभा भविगभभन्नयेयभा ०८
 इयिनभुतिमजिगभिकभुष्टवभुव
 यउतिभउरेसि भउं भनगजिउं भंभेउ
 हयविषा ॥ विविनेकयेयभीमभा ०९
 ॥ उिमीभुविष्ठा नभुष्टयमभेउ ॥

०३ ॥

विउनभुमिकगीउविमिष्टलनय
 कः ॥ यष्टवचवाउउः मिवभकल्दप
 यपः ० भववभुनिमयेकनिगनभु
 मभुष्टयपिलं किलनहभा ॥ भुष्टभे
 नभे निभुष्ट नभेवभुष्टभेपभभु

७.मु.

५१

भा ३ कूनकमयसिद्धपुग्गभवै
 धपमसुगणव भृहपुमुनिपिलेपु
 धमकेधेपुनभवठवेदिभउत्तडा ३
 विधमभिमधनेनकलेनदृग्गगदना
 मुठिलीयपषनषभभाभुद्वयगीगतिः
 रुवमभनगगमिनुगुल्लुत्तकर
 मिद्धिः सिद्धिः नभानभानंविभयल
 ननीपणउमभकवउः ५ कदिनष
 विमलेभापविधुंउवकंभभवलेकयि
 उम्भि यद्ववउभउप्रमप्रचयेनिम
 ह्ययउिलेकमेधभा ७ पुउमभभ
 मिउंउवउपंकदिनषपमभउप्रैः
 प्रायेद्वयविठयविमेकाष्टउिउगवि
 वगलिभयमे १ ह्यीयानुउगभभ
 मभउकुगपलभा नकृपिमेभनेन
 षकदिभृयमुमीपुउः ३ भासुध

२

यश्च उद्गमं मृमेविषयः ०५ इति
 ५ः मृतिभणमभिलेभानसेउवपद
 मृल्लुगमभा भामकेविकमदभुमये
 वधभुवचुकिमभुडिलेकभा ०
 मभुमेप्रकुम्भे ११ नकेषडुप्रकेष ११
 नीयठवानी नडितीय ७ दकेपिमभा
 भुट्टवनिचुडिउमेविमोयभा ०७
 ७ डिमीउमृउनाठिणनोएकत्रविम
 भुरः ०७ ॥
 विनषंरिडुवननषंइडिभिउंरिनय
 नंरिडुलणं उपवीडीदउठेगिनमि
 डुकलामोषंयचे ० नेमिनि १३
 नंविनिभ्रगंमुक ५ रिवेमणवलपरि
 णनभा विलभङ्गपानभलकालि
 उगुडेइवकल्दभा ७ वनेउचेवउं
 यषंदगङ्गेधुदोमिडः दोकप्रव ७:

७.३.
५७

ननु पिगदु दिष्ट पिन किञ्चिदिय
 भवये ठवंदुमपष्टुठिठुठुठुठु
 नभेनभः ०० ठजिलद्वीभभु
 नकिभट्टुपयमिउभा अयय
 यरिदु ॐ किभट्टुपयमिउभा ००
 नः पाट्टुपिभापयउविधभट्टु
 यउ भेकयउमभभययउभानः
 भमद्वः ०१ भुलेभट्टुवभनेय
 नभिरुः पंठवद्वधभा उषापिव
 यभीमानभीरुभः कषभुयउभा ०२
 सुनयेगदिनद्वधमिवयकिउभट्टु
 मि भूकमः भूठि ॐ भवठवठजि
 भउंठ ०३ ठजुनंनउयेनद्व
 द्वनंभुद्वनभुव उषद्वभिमिवद्वउ
 द्विभट्टुधंवदिद्वपे ०४ भवठम
 वठभेयेविभजवलिउपिलभा

मयमेतादि उभे भित्तं क्रियमक्रिमी
 मते ०२ वतुतेऽववेमेधमपि
 इक्रिद्विस्त्रवः गमम ०३ भुतेव
 नैयेवविमुठवमयमा ०४ मते
 विनाममभुतमदं निपिलेभध
 एवमवेहतेनवदयमेदगलीन
 य ०३ एतमभुपतिधुतएवद
 हपचगयठक्रिगननभा मधुमि
 नुभापिलकुउयितुकहउं प्रडिय
 उविशयते ०७ उवकठक्रिगभा
 भवमेकयिवभापितुममभुनम्
 गिउः रुहतिवीरनेविमिवीउन
 ऊनैः मतेमदः ९ मुरधुठवय
 किउतिगभनयेनमकेनमममके
 उनपदनुमिमंकलेरुमभापिल
 भवठविषीध १० एतिमीमद

उ.भे.
 ५

भदे सुग मी भन दन रे व म द वि
 ग मि उ उ द न रे व न ट व य भु उ वि
 क्रि रि यं भ भु लै डि मि व भा ३० ॥
 भ उ ल ह वै दि म् भि त्रि मे वे न्ने ध व लि
 ३: ५ यं भ नै र वी भ न् भ व उ न्ने ध गे
 पि उ ॥

